प्रश्न : **वाक्य-प्रयोग द्वारा लिंग-निर्धारण कैसे किया जाता है ? उदाहरण सहित बतलाइए।**

अथवा

उदाहरण सहित बतलाइए कि वाक्यों में लिंग निर्धारण कैसे होता है।

उत्तर :- संज्ञा पदों का लिंग-निर्धारण तब होता है जब उसे वाक्य में प्रयोग किया जाय। वाक्यों में लिंग का निर्धारण विशेषण, सर्वनाम, क्रिया और विभक्ति के माध्यम से होता है। जैसे-

Scanned with CamScanner

1 विषेषण से

यह लम्बी सड़क है। (सड़क : स्त्रीलिंग के अनुसार)
यह मोटा आदमी है। (आदमी : पुलिंग के अनुसार)
यह छोटी चीज है। (चीज : स्त्रीलिंग के अनुसार)
यह मोटा ग्रंथ है। (ग्रंथ : पुलिंग के अनुसार)

2. सर्वनाम से

मेरी कलम लाल है। (कलम : स्त्रीलिंग के अनुसार)
मेरा घर सामने है। (घर : पुलिंग के अनुसार)
उसकी गाय चर रही है। (गाय : स्त्रीलिंग के अनुसार)
तुम्हारा कोट काला है। (कोट : पुलिंग के अनुसार)

क्रिया से

गाय चर रही है। (गाय : स्त्रीलिंग के अनुसार)
सहायता मिल रही है। (सहायता : स्त्रीलिंग के अनुसार)
रोटी पक गई। (रोटी: स्त्रीलिंग के अनुसार)
भात पक गया। (भात : पुलिंग के अनुसार)

विभक्ति से

यह राम की गाय है। (गाय : स्त्रीलिंग के अनुसार)
आपकी सहायता मिली। (सहायता : स्त्रीलिंग के अनुसार)
आपका चरित्र उत्तम है। (चरित्र : पुलिंग के अनुसार)
यह मोहन का घर है। (घर : पुलिंग के अनुसार)

Scanned with CamScanner

मॉडल-1

वाक्य बनाकर लिंग निर्णय कीजिए ।

शब्द	लिंग	वाक्य
अरमान	पुलिंग	आपके अरमान पूरे होंगे ।
अपराध	,,	उसका अपराध उसे दण्ड दिलाएगा ।
अनाज	,,	आजकल अनाज महँगा हो गया है ।
अमृत	,,	अमृत लाश को जीवित कर सकता है ।
अपहरण	,,	आजकल धनी लोगों का अपहरण हो रहा है ।
अनुदान	,,	आपके आवेदन पर अनुदान स्वीकृत हुआ ।
अनुमोदन	,,	आपकी अनुशंसा का अनुमोदन हो गया है ।
अपयश	,,	निरपराध की हत्या से अपयश लगेगा ।
अकाल	,,	अकाल पड़ सकता है ।
आचार	,,	मोहन का आचार ठीक नहीं है ।
आईना	,,	मेरे ही हाथों आईना टूट गया ।
आलू	,,	आजकल आलू सस्ता हो गया है ।

Scanned with CamScanner

अपना सयम बनाये रखिए।

सयम	,,	हमारे भारतवर्ष का संविधान सबसे बड़ा है।
संविधान	,,	उसके संस्थान में अच्छा कार्य होता है।
संस्थान	,,	युद्ध में रावण का संहार हुआ।
संहार	,,	सरकस लगा हुआ है।
सरकस	,,	मेरा सलाम कबूल कीजिए।
सलाम	,,	मुझे आपका सहयोग मिलेगा।
सहयोग	,,	साध्य का साधन मजबूत चाहिए
साधन	,,	उसने सिंगार किया।
सिंगार	,,	सिन्दूर सुहागिनों का शृंगार होता है।
सिन्दूर	,,	मामले का सुराग मिल ही गया।
सुराग	,,	रेशम का सूत है।
सूत	,,	आखिर उसके गिरने का स्तर क्या है।
स्तर	,,	यह पूजा का पवित्र स्थल है।
स्थल	,,	आपके स्पर्श ने मुझे चकित कर दिया।
स्पर्श	,,	यह अपने जीवन का स्वर्ग है।
स्वर्ग	,,	दही का स्वाद अच्छा है।
स्वाद	,,	हंस जल विहार कर रहा है।
हंस	,,	किसी भी समय हमला हो सकता है।
हमला	,,	रावण ने सीता का हरण किया।
हरण	,,	इस समस्या का हल क्या होगा।
हल	,,	हवन हो रहा है।
हवन	,,	उसने फूलों का हार पहना।
हार	,,	आप अपना हाल सुनाइए।
हाल	,,	हिम पिघल रहा है।
हिम	,,	हिमालय हमारा है।
हिमालय	,,	हीरा महँगा है।
हीरा	,,	आप अपना हुक्म सुनाइए।
हुक्म	,,	कैसा हुलास है।
हुलास	,,	गाँव में हैजा फैल रहा है।
हैजा	,,	सड़क के किनारे होटल खुल गया है।
होटल	,,	उसके तो होश ही उड़ गये।
होश	,,	यहाँ पूजनोत्सव का होम होगा।
होम	,,	आपका हौसला बुलन्द है।
हौसला	,,	आजकल बाजार में हेरफेर हो रहा है।
हेरफेर	,,	वह तुम्हारा हमसफर है।
हमसफर	,,	यह तो दिनकर का हुंकार था।
हुंकार	,,	आजकल मनष्यता का ह्रास हो रहा है।
ह्रास	,,	
हाहाकार	,,	

Scanned with CamScanner

अक्ल	स्त्रीलिंग	समय पर अक्ल सामने आयी।
अंगड़ाई	,,	उसने अँगड़ाईं ली।
अड़चन	,,	काम करने में अड़चन आती है।
अदालत	,,	अदालत लगी हुई है।
आदावत	,,	किसी से अदावत अच्छी नहीं।
अनबन	,,	उन दोनों के बीच अनबन हो गई।
अफवाह	,,	अफवाह फैल रही है।
अपेक्षा	,,	यह आपकी अपेक्षा पर निर्भर है।
अपील	,,	मेरी अपील पर सुनवाई हुई।
अहिंसा	,,	अहिंसा अच्छी है।
व्यवस्था	,,	आपकी व्यवस्था क्या है ?
आँच	,,	चरित्र पर आँच नहीं आनी चाहिए।
आग	,,	घर में आग लगी थी।
आज्ञा	,,	आपकी आज्ञा का पालन होगा।
आदत	,,	अपनी आदत में सुधार कीजिए।
आफत	,,	कितनी बड़ी आफत आ पड़ी है।
आय	,,	अपनी आय का स्रोत बतलाइए।
आहट	,,	किसी के आने की आहट हुई।
आँख	,,	आँखें बड़ी-बड़ी हैं।
इच्छा	,,	यह आपकी इच्छा पर निर्भर है।
इजाजत	,,	मुझे जाने की इजाजत मिली।
इमारत	,,	उनकी इमारत ऊँची है।
ईद	,,	ईद आयी और मिठाइयाँ बँटी।
ईंट	,,	ईंट पुरानी है।
ईख	,,	ईख मीठी होती है।
ईर्ष्या	,,	यह उसकी ईर्ष्या का फल है।
उपासना	,,	ईश्वर की उपासना कीजिए
उपेक्षा	,,	किसी की उपेक्षा मत कीजिए।
उमंग	,,	बच्चों की उमंग देखिए।
उम्र	,,	उसकी उम्र इतनी तो नहीं।
उलझन	,,	

Scanned with CamScanner

तकदीर	,,	यह उसकी तकदीर की बात है।
तबीयत	,,	आजकल आपकी तबीयत कैसी है ?
तशरीफ	,,	आप अपनी तशरीफ तो रखिए।
तान	,,	मधुर तान सुनाई पड़ रही है।
ताकत	,,	अपनी ताकत पर भरोसा कीजिए।
तलवार	,,	तलवार चल सकती है।
तलाश	,,	आपकी तलाश जारी है।
तारीफ	,,	उसकी तारीफ हो रही है।
थकान	,,	अपनी थकान का ख्याल कीजिए।
थकावट	,,	आज की थकावट का मत पूछिए।
थाह	,,	ईश्वर की थाह
दलदल	,,	इतनी बड़ी दलदल पार करना कठिन है।
दलील	,,	अपनी दलील पेश कीजिए।
दस्तक	,,	द्वार पर दस्तक हुई।
दरार	,,	दीवार में दरार पड़ गई।
दहशत	,,	बाघ की दहशत बनी हुई है।
दावत	,,	आपने अच्छी दावत दी।
दीमक	,,	दीमक लग गई है।
दीवार	,,	दीवार गिर सकती है।
दुकान	,,	दुकान कितने बजे खुलेगी ?
दुत्कार	,,	उसकी दुत्कार सुनकर भी वह ठहरा रहा।
दुनिया	,,	अपनी तो सारी दुनिया पड़ी है।
दूब	,,	मौदन में दूब छा गई है।
देन	,,	आजादी महात्मा गाँधी की देन है।
देह	,,	अपनी देह का ख्याल कीजिए।
धड़कन	,,	शोर सुनते ही धड़कन तेज हो गई।
धरा	,,	धरा सुन्दर लग रही है।
धरोहर	,,	यह आपकी धरोहर है।
धाक	,,	उसने अपनी धाक जमा रखी है।
धार	,,	तलवार की धार में चमक है।
धुन	,,	वह अपनी धुन का पक्का है।
नकल	,,	दूसरों की नकल करना गलत काम है।
नस	,,	अपनी नस तो देखिए।
नहर	,,	सरकार के द्वारा नहर बनाई जा रही है।
नजाकत	,,	उसकी नजाकत का क्या कहने !

Scanned with CamScanner

अभ्यास

प्रश्न : 1. लिंग की परिभाषा देते हुए उदाहरण सहित समझाइए।
2. हिन्दी में कितने लिंग होते हैं ? उदाहरण देकर समझाइए।
3. प्राणिवाचक शब्दों के लिंग की पहचान कैसे होती है ?
4. निम्नलिखित शब्दों का लिंग बतलाइए।

मित्रता	.....	दया	.....
घास	.....	अक्ल	.....
इत्र	.....	आहट	.....
उत्पादन	.....	आकाश	.....
सुबह	.....	रात	.....
अपमान	.....	दीपक	.....
पहाड़	.....	सुगन्ध	.....
समाचार	.....	इज्जत	.....
सड़क	.....	किताब	.....

5. वाक्य बनाकर लिंग-निर्देश कीजिए।

पंचायत .....
घटा .....
मुकदमा .....
जनता .....
भीड़ .....
सेना .....
पुलिस .....
पटिया .....
मिठास .....

6. लिंग की दृष्टि से निम्नलिखित वाक्यों की शुद्धता-अशुद्धता की जाँच कीजिए।

1. तुम्हारे आने के पहले सुबह हो चुका था। .....
2. भारतीय सेना अपने देश की रक्षा में कभी हार नहीं खायगी .....
3. अपनी आत्मा के आवाज पर काम कीजिए .....
4. यह एक ऐसा घटना है, जिसे आप याद रखेंगे। .....
5. हर संतान अपने माँ-बाप की आँखों का तारा होता है। .....
6. मैदान में हरी-हरी घास उग आयी है।
7. मेरे घर के सामने एक लम्बा सड़क है। .....
8. मैं आपकी प्रतीक्षा करती रही। .....
9. आजकल नेताओं का सभा होते रहता है।

Scanned with CamScanner